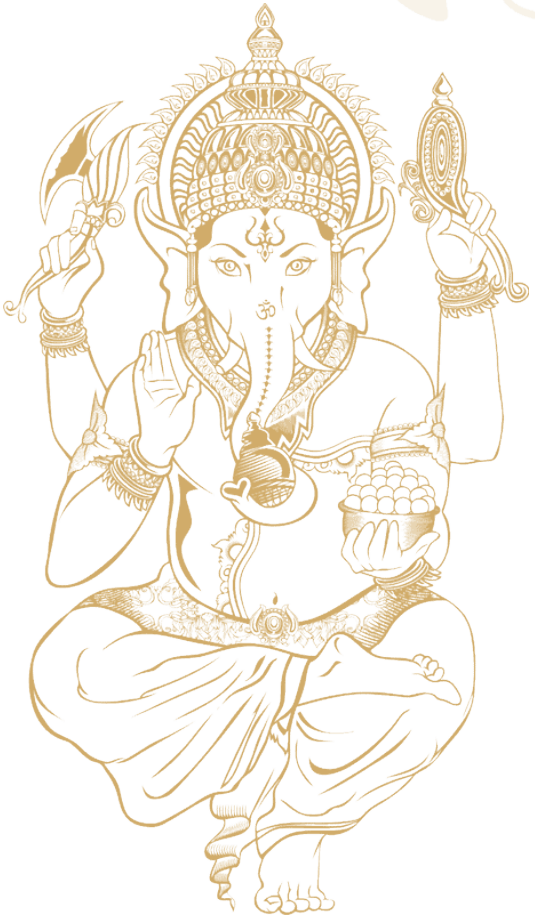

Neveya sachan

22 Mar 2009

04:55 PM

Ghatampur

Model: web-freekundliweb

Order No: 121113805

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**22/03/2009**
दिन	रविवार
जन्म समय	**16:55:16 घंटे**
इष्ट	26:49:23 घटी
स्थान	**Ghatampur**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	26:10:00 उत्तर
रेखांश	80:11:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:09:16 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	16:46:00 घंटे
वेलान्तर	-00:06:53 घंटे
साम्पातिक काल	04:46:23 घंटे
सूर्योदय	06:11:30 घंटे
सूर्यास्त	18:21:13 घंटे
दिनमान	12:09:43 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	07:59:02 मीन
लग्न के अंश	19:31:01 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी	**मकर - शनि**
नक्षत्र-चरण	**श्रवण - 3**
नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
योग	सिद्ध
करण	बालव
गण	देव
योनि	वानर
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	जलचर
वर्ग	मार्जार
युँजा	अन्त्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	खे-खेमा
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मेष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	19:31:01	322:09:18	पू०फाल्गुनी	2	11	सूर्य	शुक्र	राहु	---
सूर्य			मीन	07:59:02	00:59:34	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	केतु	मित्र राशि
चंद्र			मक	18:42:17	12:08:32	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	सम राशि
मंगल			कुंभ	11:45:24	00:46:59	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	शनि	सम राशि
बुध		अ	कुंभ	29:38:04	01:51:57	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	चंद्र	सम राशि
गुरु			मक	23:15:36	00:12:04	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	सूर्य	नीच राशि
शुक्र	व		मीन	16:31:43	00:34:28	उ०भाद्रपद	4	26	गुरु	शनि	गुरु	उच्च राशि
शनि	व		सिंह	23:19:17	00:04:33	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	शनि	शत्रु राशि
राहु	व		मक	14:02:46	00:00:39	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	गुरु	मित्र राशि
केतु	व		कर्क	14:02:46	00:00:39	पुष्य	4	8	चंद्र	शनि	राहु	मित्र राशि
हर्ष			कुंभ	29:09:12	00:03:24	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	सूर्य	---
नेप			कुंभ	01:18:47	00:01:55	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	बुध	---
प्लूटो			धनु	09:15:50	00:00:26	मूल	3	19	गुरु	केतु	गुरु	---
दशम भाव			वृष	19:02:19	--	रोहिणी	--	4	शुक्र	चंद्र	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:59:23

लग्न-चलित

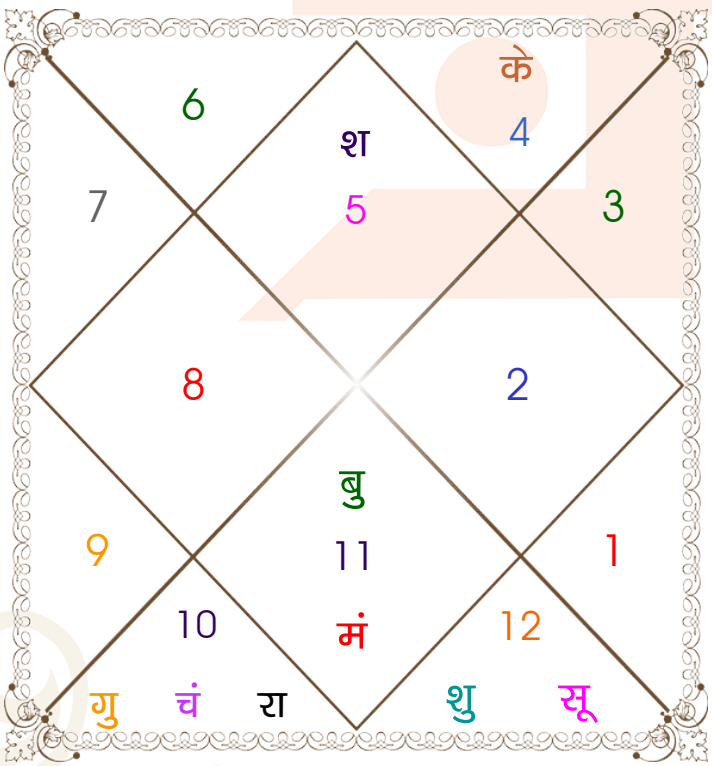

चन्द्र कुंडली

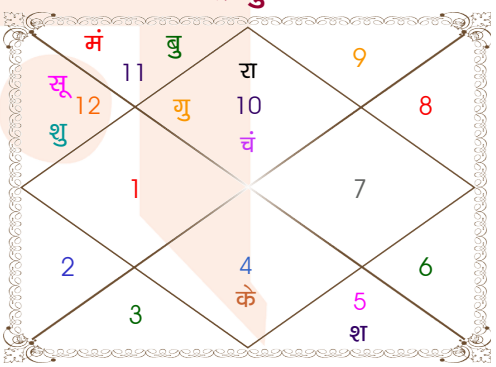

नवमांश कुंडली

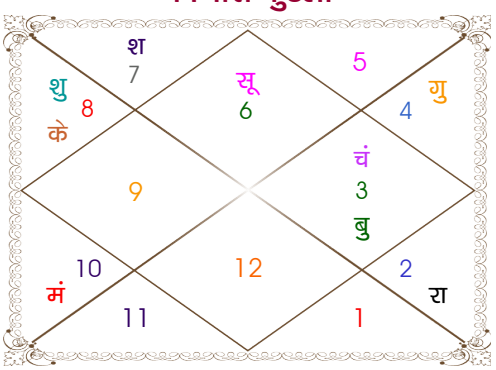

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : चन्द्र 3 वर्ष 5 मास 20 दिन

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
22/03/2009		10/09/2012		11/09/2019		10/09/2037		10/09/2053	
10/09/2012		11/09/2019		10/09/2037		10/09/2053		10/09/2072	
	00/00/0000	मंगल	06/02/2013	राहु	24/05/2022	गुरु	30/10/2039	शनि	13/09/2056
	00/00/0000	राहु	25/02/2014	गुरु	17/10/2024	शनि	12/05/2042	बुध	24/05/2059
	00/00/0000	गुरु	01/02/2015	शनि	24/08/2027	बुध	17/08/2044	केतु	02/07/2060
	00/00/0000	शनि	12/03/2016	बुध	12/03/2030	केतु	24/07/2045	शुक्र	02/09/2063
	22/03/2009	बुध	09/03/2017	केतु	31/03/2031	शुक्र	24/03/2048	सूर्य	14/08/2064
बुध	11/12/2009	केतु	05/08/2017	शुक्र	30/03/2034	सूर्य	10/01/2049	चंद्र	15/03/2066
केतु	12/07/2010	शुक्र	05/10/2018	सूर्य	22/02/2035	चंद्र	12/05/2050	मंगल	24/04/2067
शुक्र	12/03/2012	सूर्य	10/02/2019	चंद्र	23/08/2036	मंगल	18/04/2051	राहु	28/02/2070
सूर्य	10/09/2012	चंद्र	11/09/2019	मंगल	10/09/2037	राहु	10/09/2053	गुरु	10/09/2072

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
10/09/2072		10/09/2089		10/09/2096		11/09/2116		12/09/2122	
10/09/2089		10/09/2096		11/09/2116		12/09/2122		00/00/0000	
बुध	07/02/2075	केतु	07/02/2090	शुक्र	11/01/2100	सूर्य	30/12/2116	चंद्र	13/07/2123
केतु	04/02/2076	शुक्र	09/04/2091	सूर्य	11/01/2101	चंद्र	30/06/2117	मंगल	11/02/2124
शुक्र	05/12/2078	सूर्य	15/08/2091	चंद्र	12/09/2102	मंगल	05/11/2117	राहु	12/08/2125
सूर्य	11/10/2079	चंद्र	15/03/2092	मंगल	12/11/2103	राहु	30/09/2118	गुरु	12/12/2126
चंद्र	12/03/2081	मंगल	11/08/2092	राहु	12/11/2106	गुरु	19/07/2119	शनि	12/07/2128
मंगल	09/03/2082	राहु	29/08/2093	गुरु	13/07/2109	शनि	30/06/2120	बुध	23/03/2129
राहु	25/09/2084	गुरु	05/08/2094	शनि	11/09/2112	बुध	07/05/2121		00/00/0000
गुरु	01/01/2087	शनि	14/09/2095	बुध	13/07/2115	केतु	11/09/2121		00/00/0000
शनि	10/09/2089	बुध	10/09/2096	केतु	11/09/2116	शुक्र	12/09/2122		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल चंद्र 3 वर्ष 5 मा 12 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्र के द्वितीय चरण में सिंह लग्नोदय काल में हुआ था। साथ ही कन्या नवमांश एवं धनु राशि के द्रेष्काण द्वारा एक शुभ आकृति से यह स्पष्ट हो रहा है कि आप भारत स्थित शहरी क्षेत्र के निवासियों के समान जो कार्य काल बसों की प्रतीक्षा और दौड़-धूप कर अपने कार्य पर पहुंचते है। उस प्रकार की दिक्कतें का सामना आपको नहीं करना होगा। अर्थात् जन्म के शुभ लक्षण से यह प्रतीत हो रहा है कि आपको जन्म से ही वाहन सुख प्राप्त होगा।

आपको कही भी यात्रा क्रम में सार्वजनिक यातायात के लिए गाड़ी बस ट्रान्सपोर्ट आदि प्रकार की सुविधा हेतु बिना संघर्ष के ही आपकी यात्रा के पथ प्रशस्त होंगे। कही भी बस आदि से यात्रा हेतु कतार में लगकर अपने समय का अपव्यय नहीं करना पड़ेगा। आपको अपनी यात्रा हेतु अपने पास कार-बस आदि उपलब्ध होने का लाभ एवं आनन्द प्राप्त करने का वरदान प्राप्त है। वास्तविकता तो यह है कि आपको अपने स्वयं के पास वाहनों की सुविधा युक्त समर्थ होने का सौभाग्य प्राप्त है।

आपका जीवन उत्तम प्रकार के वाहन सुखों से युक्त, आरामदायक एवं आनन्द से परिपूर्ण रहेगा। आप अपार धन, सम्पति से युक्त कुशाग्र बुद्धि की विद्वान एवं अनेक कलाओं में प्रवीण होंगी। आप सर्वोत्तम प्रकार से अपना जीवन व्यतीत करेंगी। आप निम्नरूपेण उच्च श्रेणी की सेवा एवं कर्म से संबंधित रहेंगी। जो आपके लिए उपयुक्त एवं लाभप्रद प्रमाणित होगा।

आप व्यक्तिगत रूप से सतत कठिन श्रम करने वाली, उपव्यवसाय की खोज में लगे रहने वाली, दृढ़निश्चयी एवं प्रभावशाली प्राणी होंगी। आप सदा-सर्वदा कार्य विन्दु को निर्धारित समय से पूर्व संपन्न करने के पहले ही अन्य कार्य को हस्तगत करने की इच्छुक रहेंगी तथा आप निश्चित रूप से अपने अनुबंध में सफलता प्राप्त करेंगी।

आप भ्रमणप्रिय हैं। आप अपना अधिक समय घर से बाहर अन्यत्र बिताएंगी। किसी प्रकार विवश होकर कुछ समय अपने प्रिय परिवार के लिए बचाकर उनके साथ बिताएंगी। आप अपनी शक्ति एवं सामर्थ्य से सभी कार्यों को प्रसन्नतापूर्वक संपन्न कर लेंगी।

आपकी मित्र मण्डली बड़ी होगी। आपके मित्र आपको सहानुभूति पूर्वक मान-प्रतिष्ठा प्रदान करेंगे। आप अपने रास्ते से चलेंगी-वे मित्रगण आपका सहयोग करेंगे। मित्रगण आपका उच्चस्तरीय मूल्यांकन कर अपनी दिशा मोड़कर आपकी पंक्ति में खड़े होंगे अर्थात् आपको साथ देंगे।

आप मात्र अपने कर्म व्यवसाय से ही नहीं अच्छे लाभ प्राप्त करेंगी। आप तो सदैव भाग्यशाली समय अर्थात् मौके की तलाश में रहकर अपने भाग्य को दाव पर लगाकर लाभ प्राप्त करेंगी। इसका यह अर्थ नहीं कि आप सदैव ही जुआ खेलकर अपनी भाग्योन्नति हेतु प्रयास करेंगी। परन्तु आप यदा-कदा पाशे फेंक कर अपने इस कर्म को लाभदायक प्रमाणित कर सकती है।

आपकी महत्वपूर्ण आय प्रर्याप्त है, इसमें किसी भी प्रकार की दुर्भावना नहीं है। आप बहुत धन संचय करने में समर्थ नहीं हैं क्योंकि आप जन सामान्य की नजरों में यह प्रदर्शित करेंगी कि आप अपने परिवार को एक धनाढ्य महिला की तरह भरण पोषण करती हैं। आप सदैव अपनी आय का कुछ अंश अपने घर में व्यय करेंगी।

यद्यपि आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। तथापि बाद में कतिपय रोगादि के प्रति आपको थोड़ी सतर्कता बरतना आवश्यक है। क्योंकि आपका कार्यक्रम व्यस्ततम रहता है तथा लम्बे समय तक कार्यरत रहेंगी।

आपकी यह कार्यतंत्रियाँ अधिक समय तक कार्यरत रहने के लिए सक्षम नहीं भी हो सकती है। फलस्वरूप आपके हृदय पर एवं रीढ़ की हड्डियों पर इसका प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। अतएव आपको इस व्यस्ततम कार्यक्रम का प्रतिकार कर शान्तिपूर्वक विश्राम ग्रहण करना चाहिए।

आपके उत्तम स्वास्थ्य एवं जीवन पर अनुकूल प्रभाव हेतु पूर्णिमा का व्रत रखना अच्छा होगा। इससे आपको विभिन्न प्रकार का अति सहयोग प्राप्त होगा।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, और गुरुवार का दिन किसी भी बड़े कार्यों को प्रारंभ करने के लिए उपयुक्त एवं ठीक है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके नये कार्य-कलाप के प्रारंभ करने हेतु अनुपयुक्त हैं। कृपया इन तीन दिनों को अव्यवहारणीय समझे। सोमवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

परन्तु आपको सोमवार एवं शनिवार के प्रति सावधानी बरतनी चाहिए क्योंकि ये दोनों दिन आपके लिए अनुकूल नहीं है।

आपके लिए अनुकूल एवं प्रदोल्लित करने वाले अंक 1, 4, 5, 6 एवं 9 अंक है। परन्तु अंक 2, 7 एवं 8 अंक आपके लिए प्रतिकूल हैं।

आपके लिए अनुकूल रंग नारंगी, लाल एवं हरा रंग है। रंग नीला, सफेद एवं काला रंग आपके लिए प्रतिकूल रंग है।